लखनवी अंदाज

कहानी का सार / प्रतिपाद्य

लखवनी अंदाज़ एक व्यंग्यात्मक कहानी है। इसे लिखने के पीछे लेखक का मत था कि एक कथ्य के बिना कहानी लिखना कठिन है। इस कहानी में वह नवाब के माध्यम से इस तथ्य को प्रकट करते हैं। दूसरी तरफ वे नवाब साहब के दिखावे के जीवन पर व्यंग्य करने से भी नहीं चूकते। नवाब साहब की नवाबी को गए कितने बरस हो गए हैं। आज भी वह उस नवाबी के झूठे प्रतिमानों को लिए जी रहे है। लेखक या आम आदमी के आगे खीरे खाना उनकी शान के खिलाफ है। यह वह सामंती वर्ग है, जो झूठी शान को ही जीवन का सत्य समझते हैं।

नवाब साहब की चारित्रिक या स्वभावगत विशेषताएँ

➽ सनकी
➽ अहंकारी
➽ एकांत प्रिय
➽ संकीर्ण सोच
➽ दिखावा पसंद

कहानी का उद्देश्य

➽ सांमती वर्ग में व्याप्त दिखावे की प्रवृत्ति पर प्रकाश डालना।
➽ यह बताना कि एक कथ्य के बिना कहानी लिखना कठिन है।

पाठ से मिलने वाला संदेश / शिक्षाएँ

➽ यह पाठ हमें संदेश देता है कि सच्चाई को अनदेखा करके कृत्रिम जीवन जीना मूर्खता है।